CBSE Class 6 Maths Notes Chapter 3 संख्याओं के साथ खेलना

→ किसी संख्या का गुणनखण्ड उसका एक पूरा-पूरा विभाजक होता है।

→ एक संख्या अपने प्रत्येक गुणनखण्ड का एक गुणज होती है।

→ 1 प्रत्येक संख्या का एक गुणनखण्ड होता है।

→ प्रत्येक संख्या स्वयं अपना एक गुणनखण्ड होती है।

→ एक संख्या का प्रत्येक गुणनखण्ड उस संख्या का एक पूर्ण विभाजक होता है।

→ एक दी हुई संख्या का प्रत्येक गुणनखण्ड उस संख्या से छोटा या उसके बराबर होता है।

→ एक संख्या का प्रत्येक गुणज उस संख्या से बड़ा या उसके बराबर होता है।

→ एक दी हुई संख्या के गुणनखण्डों की संख्या परिमित (finite) होती है। 9.
एक दी हुई संख्या के गुणजों की संख्या अपरिमित (infinite) होती है।

→ प्रत्येक संख्या स्वयं का एक गुणज है।

→ वे संख्याएँ जिनके केवल दो ही गुणनखंड संख्या स्वयं और 1 होते हैं, अभाज्य संख्याएँ कहलाती हैं।

→ जिन संख्याओं के दो से अधिक गुणनखंड होते हैं वे संख्याएँ भाज्य संख्याएँ कहलाती हैं।

→ संख्या 2 सबसे छोटी अभाज्य संख्या है जो एक सम संख्या भी है। 2 के अतिरिक्त अन्य सभी अभाज्य संख्याएँ विषम होती हैं।

→ दो संख्याएँ जिनका सार्व गुणनखंड केवल 1 हो, सह-अभाज्य संख्याएँ कहलाती हैं। संख्याओं की विभाज्यता की जाँच

- 2 से, यदि इकाई के स्थान पर अंक 0, 2, 4, 6 या 8 हो।
- 3 से, यदि अंकों का योग 3 से विभाज्य हो।
- 4 से, तीन या अधिक अंकों की संख्या में यदि दहाई के स्थान तथा इकाई. के स्थान पर स्थित अंकों द्वारा बनाई गई संख्या 4 से विभाज्य हो। 5 से, यदि इकाई का अंक 0 या 5 हो।
- 6 से, यदि संख्या 2 तथा 3 दोनों से विभाज्य हो।
- 8 से, चार या उससे अधिक अंकों की संख्या में यदि सौवें स्थान के अंक, दहाई तथा इकाई के स्थान पर स्थित अंक द्वारा बनाई गई संख्या 8 से विभाज्य हो।
- 9 से, यदि अंकों का योग 9 से विभाज्य हो।
- 10 से, यदि इकाई के स्थान पर 0 हो।

- 11 से, यदि दाएँ से विषम स्थानों के अंकों के योग और सम स्थानों के अंकों के योग का अन्तर 0 या 11 से विभाज्य हो।

→ यदि एक संख्या दूसरी संख्या से विभाज्य है, तो वह दूसरी संख्या के प्रत्येक गुणनखंड से भी विभाजित होगी।

→ वह संख्या जो दो सह-अभाज्य संख्याओं से विभाज्य होती है, उनके गुणनफल से भी विभाज्य होगी।

→ यदि दो संख्याएँ किसी एक संख्या से विभाजित होती हैं, तो उन दोनों का
अंतर भी उस संख्या से विभाजित होता है।

→ दो या अधिक संख्याओं का म.स. (HCF).उसके सार्व गुणनखंडों में से सबसे बड़ा होगा।

→ दो या अधिक संख्याओं का ल.स. (LCM) उसके सार्व गुणजों में से सबसे छोटा होगा।

https://www.evidyarthi.in/